

## भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर 2012

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-I

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

### भाग-I (साधारण ज्योतिष)

- इनमें से किन्हीं चार पर लिखिए :-  
 (अ) स्कन्दत्रय से आप क्या समझते हैं?  
 (आ) श्रुति और स्मृति  
 (इ) वेदांग क्या है? उनके नाम बताइये।  
 (ई) वराहमिहिर  
 (उ) शकुन
- दृढ़ अदृढ़ एवं दृढादृढ़ कर्म क्या होते हैं? उदाहरण के द्वारा समझाइये।
- ज्योतिषी के क्या-क्या गुण होते हैं और ज्योतिषी किस प्रकार के देश, काल एवं पात्र को महत्व देता है?
- यह ग्रन्थ (पुस्तक) किस-किसने लिखे है :  
 (अ) फलदीपिका (आ) बृहत्संहिता  
 (इ) जातकपारिजात (ई) ब्रह्मस्फुट सिद्धांत  
 (उ) शटपंचाशिका
- क्या ज्योतिष को हम विज्ञान कह सकते हैं? विस्तार से समझाइये।

### भाग-II (ज्योतिष से सम्बंधित खगोल शास्त्र)

- इनमें से किन्हीं पाँच पर टिप्पणी लिखें :  
 (अ) तिथि (आ) वास्तविक सम्पात (इ) क्रान्ति वृत्त  
 (ई) खगोलीय ध्रुव (उ) उपग्रह (ऊ) दिग्मांश  
 (ए) उत्का पिंड
- सूर्य यदि सिंह राशि में  $16^\circ$  पर स्थित है तो धूम, पात, परिधि, इन्द्रचाप एवं सीखी की उपग्रह स्थिति बताइये।
- सूर्य ग्रहण को चित्र के द्वारा समझाते हुए विस्तार से बताइये।
- आधुनिक पारचात्य खगोल शास्त्र एवं भारतीय पुरातन खगोल शास्त्र में क्या अंतर है? विवेचन कीजिए।
- इनमें से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :  
 (अ) ऋतु परिवर्तन (आ) ग्रहों का चक्री होना  
 (इ) भचक्र के भाग

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर 2012

समय : 3 घंटे

प्रश्न पत्र-II

कुल अंक : 50

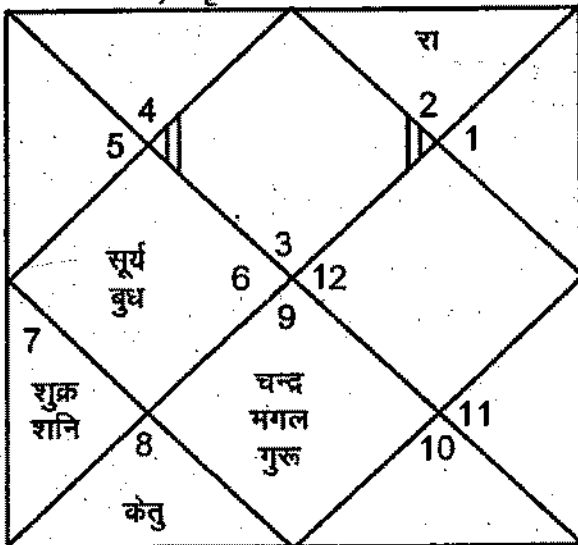
कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

## भाग-I (गणित ज्योतिष)

1. पटना (बिहार) में 30 नवम्बर 2012 को रात्रि 09:30 बजे जन्मे जातक के लिए लग्न व अन्य सभी ग्रहों के भोगांश की गणना करें।
2. प्रश्न संख्या 3 के आधार पर जातक की शेष विंशोत्तरी दशा एवं सभी ग्रहों के नक्षत्र चरण बताएँ।
3. वर्ग कुण्डली से आप क्या समझते हैं? निम्नलिखित कुण्डली के आधार पर नवांश कुण्डली और सप्तान्श कुण्डली बनाइये।  
जन्म तिथि - 15.08.2001 समय सुबह 10.00, स्थान-हैदराबाद  
लग्न-कन्या 24:52, सूर्य-कर्क 28:32, चन्द्रमा-मिथुन 04:07, मंगल-वृश्चिक 25:43, बुध-सिंह 07:57, बृहस्पति-मिथुन 13:03, शुक्र-मिथुन 21:58, शनि-वृष 19:29, राहु-मिथुन 11:31
4. अयनांश किसे कहते हैं? इसकी उपयोगिता के बारे में बताएँ।
5. इनमें से किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :  
i) ग्रीनविच माध्यमिक समय i) विषुवांश iii) भोगांश  
iv) रेखांश v) लग्न vi) मानक समय (Standard Time) vii) भचक्र

## भाग-II (फलित ज्योतिष)

6. निम्न में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :  
अ) 10वें भाव का कारकत्व आ) मारक ग्रह  
इ) यहाँ की उच्च एवं नीच अवस्था ई) सिंह लग्न विशेषताएँ  
उ) केन्द्राधिपत्य दोष
7. उदाहरण सहित निम्नलिखित योगों को विस्तार से समझाइये :  
अ) केमदु योग आ) रुचक योग  
इ) लग्नाधि योग ई) महाभाग्य योग
8. इन सभी के फलादेश बताइये :  
अ) मेष राशि में सूर्य आ) मीन राशि में शुक्र  
इ) मिथुन राशि में मंगल ई) कन्या राशि में बृहस्पति  
उ) वृश्चिक में चन्द्रमा



		रा	लग्न
	01.10.1984		
	2.52 घंटे		
	हैदराबाद		
चन्द्र मंगल गुरु	केतु	शुक्र शनि	सूर्य बुध

9. अ) ऊपर बताई गई कुण्डली में कोई पाँच योग बताइये एवं उन योगों का इस कुण्डली पर होने वाले परिणाम समझाइये।  
आ) ग्रह दृष्टि क्या होती है? मंगल, बृहस्पति एवं शनि की विशेष दृष्टि के बारे में चर्चा करें
10. बालरिष्ट के महत्वपूर्ण योग एवम् इसके परिहार के विषय पर विस्तार से बताएँ।

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर 2012

## प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

### भाग-I (ज्योतिष योग)

1. बुध की महादशा में निम्न जन्मांग का सामान्य विवेचन करें :-  
लग्न-3 रा 27°.48', सूर्य- 7 रा 04°.07', चन्द्रमा-9 रा 05°.36'  
मंगल-4 रा 16°.22', बृध-7 रा 13°.13', बृहस्पति (व)-1 रा 15°.00'  
शुक्र- 8 रा 21°.00', शनि- 3 रा 21°.47', राहु-8 रा 09°.12'  
(19-11-1917, रात्रि 11.13 बजे 22एन27, 81ई51)  
सूर्य भोग्य दशा 1वर्ष 11 महीने 22 दिन
2. इनके उत्तर दीजिए :-  
अ) मिथुन लग्न के लिए केन्द्राधिपत्य दोष  
आ) नवांश कुण्डली का महत्त्व  
इ) उच्च के शनि का राशि कुण्डली पर प्रभाव  
ई) वसुमती योग
3. विपरीत राज योग क्या होते हैं? उदाहरण के द्वारा स्पष्ट करिये।
4. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए :-  
i. ग्रहों की अवस्था का फलादेश में किस तरह प्रयोग होता है?  
ii. भाव एवं भावेश की बल का आंकलन आप किस प्रकार करेंगे?
5. नैसर्गिक शुभ ग्रहों की केन्द्र स्थान में स्थिति एवं नैसर्गिक अशुभ ग्रहों की त्रिकोण स्थान में स्थिति का ग्रहों पर क्या प्रभाव पड़ता है? उदाहरण के द्वारा विस्तार से समझाइये।

### भाग-II (दशा व गोचर)

6. निम्नलिखित के नियमों के बारे में बताईये :  
अ) विशोत्तरी महादशा के परिणाम  
आ) योगिनी महादशा के परिणाम
7. शुक्र की महादशा के परिणाम को विस्तार से समझाइये।
8. शनि के साढ़ेसती, अष्टम और अर्धअष्टम गोचर को विस्तार से समझाइये?
9. बृहस्पति ग्रह के गोचर के क्या परिणाम होते हैं?
10. वेध और विपरीत वेध से आप क्या समझते हैं?

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी0) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर 2012

## प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

### भाग-I (ताजिक शास्त्र)

1. दिल्ली में 20.10.1978 को सुबह 2:45 बजे, बृहस्पतिवार को जन्मे जातक के 2012-2013 (35वें वर्ष) के लिए वर्ष कुण्डली बनाइये।
2. मुन्था की गणना करें। प्रश्न संख्या 1 में बताए गए जातक के आधार पर मुन्था के फल बताएं।
3. राशि कुण्डली एवं वर्ष कुण्डली में क्या-क्या अंतर है? वर्ष कुण्डली की उपयोगिता विस्तार से समझाइये।
4. उदाहरण सहित निम्नलिखित योगों को समझाइये :  
अ) इत्थाल योग (आ) नक्त योग  
इ) गैरीकम्बूल योग (ई) इकबाल योग
5. सहम की गणना किस प्रकार करते हैं। प्रश्न संख्या में पूछे गए पुण्य सहम एवं कर्म सहम की गणना कीजिये।

### भाग-II (मुहूर्त)

6. एकविंशति महादोष क्या है? विस्तार से समझाइये।
7. निम्नलिखित का उत्तर दीजिए :  
अ) मुहूर्त का चयन करते हुए जन्माराशि एवं लग्न की क्या उपयोगिता है  
आ) तीन प्रकार के पंचक क्या हैं?
8. इनमें से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :  
क) संक्रांति  
ख) पंचांग शुद्धि  
ग) पुष्करांश
9. निम्नलिखित योग पर बताईये :  
क) दग्ध योग  
ख) अमृत सिद्धि योग  
ग) सकट योग  
घ) रियता तिथि  
च) उत्पात योग
10. नवीन मकान की नींव रखने के लिये मुहूर्त को चयन करने के सभी नियम बताएं?